

15/04/25

पशावली पेश हुई। वाही एवं वाही
के अधिवक्ता को बार-बार आवाज
डिलानी गयी। जो हाथि नहीं है।
अतः अहम हाथी एवं अहम पैरवी
में पाद खारिज डिमा जाता है।
पशावली नम्बर से कम हो। बाद
जाया कार्रवाई दाखिल दफ्त हो।

(हमशली इंगर)

उपखण्ड अधिकारी
फतेहपुर-सीकर(राज.)

